उत्तराखण्ड राज्य भूवैज्ञानिक कार्यक्रयी परिषद् (एस0जी0पी0बी0) की दिनांक 06.02.2018 को आहूत बैठक का कार्यवृत्त

उत्तराखण्ड राज्य भूवैज्ञानिक कार्यक्रयी परिषद् (एस0जी0पी0बी0) की बैठक दिनांक 06.02.2018 को श्री पार्थ सारथी, उपमहानिदेशक/उपाध्यक्ष एस0जी0पी0बी0 महोदय की अध्यक्षता में की गयी।

बैठक में निम्नलिखित अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गयाः–

1. श्री पी0गाँधी ,उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून।
2. श्री विनोद कुमार सुमन, अपर सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
3. श्री विनय शंकर पाण्डेय, निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. श्री एस0एल0 पैट्रिक, अपर निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. प्रो0 एम0पी0एस0 बिष्ट, निदेशक, यूसैक, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. डा0 राजेश शर्मा, साइन्टिस्ट जी0 हेड पैट्रोलॉजी, वाडिया इन्सटियुट आफॅ हिमालयन ज्योलोजी, देहरादून।
7. श्री आर0एस0 चटर्जी, हेड डी0एम0एस0, जी0डी0एम0एस0, आई0आई0आर0एस0, देहरादून।
8. श्री भूपेन्द्र सिंह, निदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून।
9. श्री अनिल कुमार, संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
10. श्री दिनेश कुमार, उपनिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
11. डा0 दीपक हटवाल, उपनिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
12. डा0 दीपेन्द्र सिंह चन्द, उपनिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड देहरादून।
13. नीता राठोर, लोक सम्पर्क अधिकारी, कुमाऊॅ मण्डल विकास निगम लि0 उत्तराखण्ड।
14. श्री मोहन सिंह बर्नीया, जी0एम0, गढवाल मण्डल विकास निगम, उत्तराखण्ड ।
15. श्री प्रदीप पाण्डेय, उप क्षेत्रीय निदेशक, परमाणु खनिज अन्वेष्ण एवं अनुसंधान निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, नई दिल्ली।
16. श्री दिनेश सिंह, डिप्टी जनरल मैनेजर, ओ0एन0जी0सी0, देहरादून।
17. श्री बी0डी0 हरबोला, उत्तराखण्ड वन विकास निगम, उत्तराखण्ड, देहरादून।
18. श्री एच0के0 कटियार, अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।
19. श्री एस0 सक्लानी, एम0, भारतीय खान ब्यूरो, देहरादून।
20. डा0 सोवन लाल चटोराज, आई0आई0आर0एस0 देहरादून।
21. श्री शिव कुमार राय, सहायक भूवैज्ञानिक, लोक निर्माण विभाग, उत्तराखण्ड देहरादून।

एजेन्डा बिन्दु संख्या 01 :– *भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पोर्टल से 103 खनिज अन्वेषण आख्यायें जिनमें से 57 मैटेलिक व 46 नॉन मैटेलिक श्रेणी के अन्तर्गत है के मानचित्र एवं सैक्शन पोर्टल पर उपलब्ध न होने पर उक्त की उपलब्धता के सम्बन्ध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से किये गये अनुरोध पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा 70 मिनरल इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट का डाटा (लगभग 52 जी0बी0) सॉफ्ट कॉपी में*

उपलब्ध कराया गया, जिसमें 68 मिनरल इन्वेस्टीगेशन रिपोर्ट सूची के अनुसार पायी गयी तथा अवशेष 02 आख्याओं में एक जम्मू एवं कश्मीर एवं दूसरी आख्या, ***Note on the Geology and Mineral resources in Parts of South Garhwal, U.P.*** *से सम्बन्धित है। शेष मेटेलिक श्रेणी की 15 आख्याऐं एवं नॉन–मेटेलिक श्रेणी की 20 आख्याऐं (कुल 35 आख्याऐं) के मानचित्र व सैक्शन उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में जी.एस.आई. लखनऊ को अनुरोध पत्र प्रेषित किया गया है। जी.एस.आई., लखनऊ स्तर से कार्यवाही प्रतीक्षित है।*

35 अवशेष आख्याओ के मानचित्र, सैक्शन व अन्य सम्बन्धित अभिलेखों के सम्बन्ध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा अवगत कराया गया कि प्रकरण पर त्वरित कार्यवाही की जा रही है। निदेशक/सदस्य सचिव द्वारा अवशेष 35 तकनीकी आख्याओं को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से एक माह में उपलब्ध कराये जाने की अपेक्षा की गयी। उपमहानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा इस पर सहमति व्यक्त की गयी।

<u>एजेन्डा बिन्दु संख्या 02:–</u> भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से उत्तराखण्ड राज्य के अन्तर्गत खनिज अन्वेषण किये गये क्षेत्रों की पोर्टल पर उपलब्ध 103 खनिज अन्वेषण आख्याओं का यू0एन0एफ0सी0 (UNFC) वर्गीकरण किया जाना प्रस्तावित है।

उपमहानिदेशक भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा उक्त बिन्दु के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि कार्यवाही क्षेत्रीय कार्यालय, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, लखनऊ स्तर पर की जा रही है। इस सम्बन्ध में कार्यवाही एक माह में पूर्ण कर भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड को उपलब्ध कराया जायेगा।

<u>एजेन्डा बिन्दु संख्या 03 :–</u> तत्कालीन राज्य उत्तर प्रदेश के कार्यकाल में वर्ष 1992 से 1997 के मध्य भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, लखनऊ द्वारा जनपद देहरादून, तहसील चकराता के सुनेरखेडा क्षेत्र के अन्तर्गत घेन्सूरखेडा ब्लॉक में चूनापत्थर खनिज का विस्तृत अन्वेषण कार्य किया गया है। अन्य ब्लॉक में चूना पत्थर हेतु अन्वेषण कार्य किया जाना है। पूर्ववर्ती राज्य के भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तर प्रदेश द्वारा पूर्व में किये गये चूना पत्थर खनिज अन्वेषण की आख्या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को उपलब्ध करायी गयी है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग, देहरादून तथा भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून द्वारा उक्त क्षेत्र का क्षेत्रीय भ्रमण कर लिया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से घेन्सूरखेडा के निकट अन्य ब्लॉकों में चूना पत्थर के खनिज अन्वेषण संबंधी कार्यक्रम को आगामी कार्य सत्र में सम्मिलित करने हेतु प्रस्तावित है।

उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून, महोदय द्वारा उक्त खनिज अन्वेषण कार्य को आगामी सी0जी0पी0बी0 से अनुमति प्राप्त कर वर्ष 2019–20 के क्षेत्रीय सत्र में सम्मिलित करने पर सहमति व्यक्त की गयी। भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा इस सम्बन्ध में प्रस्ताव तैयार कर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण देहरादून को उपलब्ध कराये जाने कि अपेक्षा कि गई।

<u>एजेन्डा बिन्दु संख्या 04 :–</u> भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 1989–1997 में जनपद देहरादून के सटंगधार के अन्तर्गत सिलिका सैण्ड बैंड को अन्वेषित किया गया है। उक्त ब़ैड के अतिरिक्त अन्य दो ब्लॉक पुरोला–घमनधार एवं माल्पा का डांडा–चतराधार, जनपद उत्तरकाशी के अन्तर्गत सिलिका सैंड का अन्वेषण किया जाना है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग, देहरादून तथा भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, देहरादून द्वारा उक्त क्षेत्र का क्षेत्रीय भ्रमण कर

लिया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से पुरोला–धमनघार तथा माल्पा का डांडा–चतुराधार सिलिका सैंड ब्लाक में विस्तृत भूवैज्ञानिक अन्वेषण कार्य आगामी/भविष्य कार्य सत्र में सम्मिलित करने हेतु प्रस्तावित है।

भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा वन भूमि से प्रथक राज्य सरकार व निजी नाप भूमि के सिलिका सैंड क्षेत्रों का चिन्हीकरण किया जाएगा तथा उक्त क्षेत्रों से सिलिका सैण्ड के नमूने एकत्रित किये जायेगे। इस संबंध में समय–समय पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से मार्गदर्शन व सहयोग लिया जायेगा। मानचित्रण व गुणवत्ता के आधार पर सम्बन्धित क्षेत्रों को उद्यमियों को उपलब्ध कराये जाने के लिये पब्लिक डोमेन में रखा जायेगा, जिससे ई–निविदा सह ई–नीलमी की व्यवस्था के अन्तर्गत उन क्षेत्रों को लाया जा सकेगा। उक्त के सम्बन्ध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा सहमति व्यक्त कि गई।

<u>एजेन्डा बिन्दु संख्या 05 :–</u> *भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा जनपद उत्तरकाशी के आपदाग्रस्त ग्रामों की भूवैज्ञानिक निरीक्षण आख्या में किये गये उल्लेख के क्रम में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से ग्राम भटवाडी तथा ग्राम अस्थल के टेरेन की मकेनिकल प्रोपर्टीज का आंकलन किया जाना प्रस्तावित है।*

उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, देहरादून द्वारा ग्राम भटवाड़ी, जनपद उत्तरकाशी में पुनर्वास हेतु चयनित भूखण्ड का विस्तृत भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के तहत भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा कार्यवाही किये जाने पर सहमति व्यक्त की गयी। निदेशक/सदस्य सचिव द्वारा तहसील डुण्डा आपदा प्रभावित ग्राम का भी विस्तृत अध्ययन किये जाने का अनुरोध किया गया । निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म द्वारा विभागीय अधिकारियों को राज्य के आपदा प्रभावित प्रत्येक जनपद से दो से तीन ग्रामों को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण को विस्तृत अध्ययन हेतु प्रेषित करने के निर्देश दिये व भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से उक्त कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करने का अनुरोध किया गया। जिसे भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

<u>*एजेन्डा बिन्दु संख्या 06 :–*</u> *भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा उत्तराखण्ड राज्य के विभिन्न भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का भूगर्भीय सर्वेक्षण तथा आपदाग्रस्त ग्रामों के विस्थापन एव पुनर्वास स्थलों का भूगर्भीय अन्वेषण कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड द्वारा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के साथ संयुक्त रूप से कतिपय आपदाग्रस्त ग्रामों, जिनकी सूची भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, राज्य इकाई उत्तराखण्ड को शीघ्र उपलब्ध कराई जायेगी, के विस्तृत भूगर्भीय– भूतकनीकी सर्वेक्षण प्रस्तावित है।*

निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म द्वारा विभागीय अधिकारियों को राज्य के विभिन्न जनपदों के आपदा प्रभावित ग्रामों की सूची जिनके संबंध में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से सहयोग प्राप्त किया जाना है, समय–समय पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण पटेल नगर देहरादून को विस्तृत अध्ययन हेतु प्रेषित करने के आदेश दिये गये। जिस पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा सहमति व्यक्त की गई।

<u>*एजेन्डा बिन्दु संख्या 07 :–*</u> *राज्य के अन्तर्गत विकास सम्बन्धी विभिन्न निर्माण कार्य किये जाने हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा प्रस्तावित क्षेत्रों का भूअभियांत्रिकी निरीक्षण किये जा रहें है। उक्त कार्य पूर्ववत किया जायेगा।*

सम्पूर्ण कार्यक्रयी परिषद द्वारा उक्त कार्यो पर सहमति व्यक्त की गई।

एजेन्डा बिन्दु संख्या 08 :– भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई द्वारा जनपद बागेश्वर में निजी नाप भूमि व वन भूमि से भिन्न राज्य सरकार की भूमि में सोपस्टोन खनिज की उपलब्धता के क्षेत्रों का चिन्हीकरण किये जाने हेतु प्रारम्भिक स्तर का भूगर्भीय अन्वेषण कार्य प्रस्तावित है।

सम्पूर्ण कार्यक्रयी परिषद द्वारा उक्त कार्यो पर सहमति व्यक्त की गईं।

एजेन्डा बिन्दु संख्या 09 :– अन्य सम्बन्धित विचारणीय बिन्दु।

(1) निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड /सदस्य सचिव महोदय द्वारा उप क्षेत्रीय निदेशक, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान नई दिल्ली द्वारा चाही गई सूचना के संबंध में अपर निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड से मालदेवता, दुरमाला व मसराना क्षेत्र में पी0पी0सी0एल0 द्वारा अधिग्रहित भूमि के समर्पण के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कि गई तथा अपर निदेशक से उक्त क्षेत्र के समर्पण के सम्बन्ध में सत्वरित कार्यवाही करने तथा इस सम्बन्ध में शासन स्तर पर भी प्रकरण की पेरवी (परश्यू) करने के निर्देश दिये गये।

(2) उपमहानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा एन0एम0ई0टी0 फन्ड का उपयोग राज्य के अन्वेषण कार्यों में किये जाने की योजना बनाये जाने पर बल दिया गया।

(3) उक्त के अतिरिक्त यह भी निर्णय लिया गया है कि मानव संसाधन को प्रशिक्षित किये जाने हेतु प्रशिक्षण दिया जाय।

(4) निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड द्वारा अन्वेषण कार्यों को आऊटसोर्स कार्मिकों का सहयोग प्राप्त कर समयबद्ध निस्तारित किये जाने पर बल दिया गया, जिससे स्वस्थाने खनिज भण्डारों की निविदा हेतु उपल्बध क्षेत्रों को पब्लिक डोमेन में रखा जा सके व राज्य के खनिज राजस्व में वृद्धि की जा सके।

(5) उप क्षेत्रीय निदेशक, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान नई दिल्ली द्वारा District Resource Map के संबंध में चाही गई जानकारी के क्रम में उपमहानिदेशक/अध्यक्ष एस0जी0पी0बी0 द्वारा अवगत कराया गया कि District Resource Map पर कार्यवाही भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में गतिमान है।

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड/सदस्य सचिव द्वारा एस0जी0पी0बी0 के सदस्यगणों से राज्य के खनिज राजस्व में वृद्वि किये जाने तथा राज्य के सर्वागींण विकास में सहयोग किये जाने की अपेक्षा की गयी।

निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई उत्तराखण्ड /सदस्य सचिव द्वारा दिये गये धन्यवाद सम्बोधन के साथ बैठक का समापन हुआ।